This question paper contains 3 printed pages]

आपका अनुक्रमांक ....

279

B.A. (Programme) /I J

(A)

HINDI DISCIPLINE – Paper I

(हिन्दी अनुशासन)

(हिन्दी कविता, नाटक तथा हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास)

(प्रवेश वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् – नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिये)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक, NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) सोभित कर नवनीत लिए।
घुटुरुनि चलत रेनु तन मंडित मुख दधि लेप किए।।
चारु कपोल लोल लोचन गोरोचन तिलक दिए।
लट लटकनि मनु मत्त मधुप गन मादक मधुहि पिए।
कठुला कंठ वज्र केहरि नख राजत रूचिर हिए।
धन्य सूर एको पल इहिं सुख का सत कल्प जिए।।

(ख) इत बाँट परी सुधि, रावरे भूलनि कैसें उराहनो दीजियै जू ।
अब तौ सब सीस चढ़ाय लई जु कछू मन भाई सु कीजियै जू ।।
घनआनंद जीवन-प्रान सुजान, तिहारियै बातनि जीजियै जू ।
नित नीके रहौ तुम्हैं चाड़ कहा पै असीस हमारियौ लीजियै जू ।।

(ग) छोटे-से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ,
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे - मेरी भोली आत्मकथा,
अभी समय भी नहीं - थकी सोई है मेरी मौन व्यथा । 8 + 8

2. तुलसीदास **अथवा** भवानीप्रसाद मिश्र का साहित्यिक परिचय दीजिए । 7

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित काव्यांशों के आधार पर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) कबीर की 'साखियों' का प्रतिपाद्य लिखिए ।

(ख) बिहारी के शृंगारपरक दोहों का मूल स्वर बताइए ।

(ग) 'सखि, वे मुझसे कहकर जाते' कविता के माध्यम से यशोधरा की मनोदशा एवं पीड़ा का चित्रण कीजिए ।

(घ) 'यह धरती है उस किसान की' कविता कवि की सामाजिक यथार्थवादी दृष्टि की परिचायक है, स्पष्ट कीजिए । 6 + 6

4. किसी **एक** अनुच्छेद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मैं जानती हूँ माँ, अपवाद होता है । तुम्हारे दु:ख की बात भी जानती हूँ । फिर भी मुझे अपराध का अनुभव नहीं होता । मैंने भावना में एक भावना का वरण किया है । मेरे लिए वह सम्बन्ध और सब सम्बन्धों से बड़ा है । मैं वास्तव में अपनी भावना से प्रेम करती हूँ जो पवित्र है, कोमल है, अनश्वर है .... ।

अथवा

मैं यहाँ से क्यों नहीं जाना चाहता था ? एक कारण यह भी था कि मुझे अपने पर विश्वास नहीं था । मैं नहीं जानता था कि अभाव और भर्त्सना का जीवन व्यतीत करने के बाद प्रतिष्ठा और सम्मान के वातावरण में जाकर मैं कैसा अनुभव करूँगा । मन में कहीं यह आशंका थी कि वह वातावरण मुझे छा लेगा और मेरे जीवन की दिशा बदल देगा.... और यह आशंका निराधार नहीं थी । 8

5. 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के आधार पर कालिदास का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

अभिनेयता की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की समीक्षा कीजिए । 12

6. (क) आदिकालीन काव्य **अथवा** रीतिबद्ध काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए । 10

   (ख) छायावाद **अथवा** नयी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए । 10